P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
RNI No.UPBIL/2016/67980
Vol-I* Issue-VI*September - 2016

लाडली लक्ष्मी योजना का बालिकाओ के विकास में योगदान शिवपुरी जिले (म0प्र0) के विशेष सन्दर्भ में

रानू सक्सेना
अतिथि व्याख्याता,
गृह विज्ञान विभाग,
शासकीय कन्या महाविद्यालय
दतिया,म0प्र0

पल्लवी सक्सेना
अतिथि व्याख्याता,
गृह विज्ञान विभाग,
शासकीय कन्या महाविद्यालय
शिवपुरी,म0प्र0

सारांश

बालिका जन्म के प्रति जनता मे सकारात्मक सोच लिंग अनुपात मे सुधार , बालिकाओं की शैक्षणिक स्तर तथा स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार तथा उनके अच्छे भविष्य की आधारशिला रखने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में दिनांक 01.04. 2007 से लाडली लक्ष्मी योजना लागू की गई।

लाडली लक्ष्मी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए माता–पिता का म.प्र. का मूल निवासी होना एवं उनका आयकर दाता नहीं होना चाहिये। लाडली लक्ष्मी योजना म.प्र. सरकार की बालिकाओं के हित में एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। प्रस्तुत शोध पत्र में लाडली लक्ष्मी योजना के शिवपुरी जिला (म.प्र.) के समस्त लाभार्थी का विकासखंडवार अध्ययन किया गया है।

मुख्य शब्द : लाडली लक्ष्मी योजना, शिवपुरी, बालिकाएँ, महिला एवम् बाल विकास विभाग, हितग्राही।

प्रस्तावना

बीसवीं सदी के मुक्ति–संघर्षों में स्त्री का मुक्ति संघर्ष सर्वाधिक मूलगामी और सार्वभौमिक रहा है। सबसे अधिक अहिंसक, रक्तहीन और सत्याग्राही भी। इस संघर्ष की व्यापकता का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि– 'यह जितना अधिक बाहरी स्तर पर संघटित और घटित हुआ है, उतना ही आंतरिक स्तर पर भी। वह एक साथ आत्मसंघर्ष भी रहा है। आत्मबोध, आत्म विश्लेषण और आत्माभिव्यक्ति का संघर्ष भी। दर्शन, मनोविज्ञान, समाज विज्ञान, इतिहास जैसी अनेक विधाएँ इस संघर्ष पर एकाग्र हुईं हैं और स्त्री के मुक्ति–संघर्ष का एक समृद्ध शास्त्र विकसित हुआ है।'

स्त्री के इसी संघर्ष ने पुरुष की सोच में परिवर्तन किया है। परिणामतः वर्तमान आधुनिक नारी पुरुष के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चल रही है। लेकिन यह परिवर्तन स्त्रियों के एक विशेष वर्ग में ही दिखाई देता है। अधिकांश शिक्षित–अशिक्षित महिलाओं की स्थिति विकासात्मक और समृद्धशाली नहीं है। स्त्री–विकास की बात तो बहुत की जाती है लेकिन जब हम पुरुष की तुलना में उसके विकास का ग्राफ देखते हैं तो वह बहुत नीचे दिखाई देता है। सम्भवतः इसका कारण महिला पर थोपी गई पर्दा प्रथा, इसके कारण उपजी निरक्षरता और स्वाबलम्बन का अभाव ही दिखाई देता है। परिणामतः आधुनिक स्त्री की स्थिति भी दयनीय है। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उसके परिवार पर भी पड़ा है बच्चों में कुपोषण, अशिक्षा और कार्य के अवसर न होने के कारण वे आज भी दयनीय स्थिति में हैं।

राज्य शासन और केन्द्र शासन संयुक्त और पृथक–पृथक रूप से महिला एवम् बाल विकास के लिए योजनाएँ संचालित करते हैं। शिवपुरी जिले की महिलाओं और बच्चों के विकास के लिए भी महिला एवम् बाल विकास विभाग द्वारा अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं इनका लाभ संबंधित हितग्राहियों को मिल रहा है या नहीं? इन योजनाओं को चलाने में आने वाली समस्याएँ क्या–क्या हैं? और उन्हें दूर करने के लिए क्या उपाय हैं? साथ ही योजनाओं के द्वारा जो लाभ दिया जा रहा है वह किस रूप में किस प्रकार दिया जा रहा है? इन प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने के लिए ही शोधार्थी ने शोध–कार्य हेतु प्राप्त परिणामों की विस्तृत व्याख्या कर शोधार्थी ने योजनाओं की विवेचना कर उनका निष्कर्ष और उनकी उपादेयता को प्रमाणित करने का प्रयास किया है।

शिवपुरी जिले का परिचय

शिवपुरी जिला विंध्याचल की पर्वत मालाओं पर स्थित है। इसके दक्षिण में मालवा का पठार है तो पूर्व में बुन्देलखण्ड अँचल स्थित है। इस जिले की सीमाएँ दतिया, गुना, अशोकनगर के साथ–साथ उत्तर प्रदेश और राजस्थान की

P: ISSN NO.: 2394-0344 **Remarking An Analisation**
E: ISSN NO.: 2455-0817 RNI No.UPBIL/2016/67980 Vol-I* Issue-VI*September - 2016

सीमाओं का भी स्पर्श करती हैं। यह जिला 24.50 अक्षांश एवं 45 से 78.30 देशांतर रेखाओं पर स्थित है। यह जिला सम्भागीय मुख्यालय ग्वालियर से 119 किलोमीटर दक्षिण में आगरा–मुम्बई राजमार्ग क्रमांक–3 पर स्थित है। शिवपुरी के दक्षिण स्थित आगरा–मुम्बई राजमार्ग पर 98 किलोमीटर दूर गुना जिला स्थित है। पूर्व में 99 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश का झाँसी राजमार्ग क्रमांक 24 पर स्थित है। राजमार्ग 76 शिवपुरी को कोटा राजस्थान से जोड़ता है। इस मार्ग की कुल लम्बाई 90 किलो मीटर है। यह जिला सड़क और रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है।

जिले की भौगोलिक स्थिति

पाँच नदियों से घिरा ये जिला एक समय जल सम्पन्न जिला कहलाता था। सिन्ध, कूनो, पार्वती, वेतवा और महुअर (महुआ) नदियों के कारण यहाँ का अधिकांश भू–भाग वनाच्छादित था। वन सम्पन्न होने के कारण यह क्षेत्र अपने पर्यावरण के लिए भी प्रसिद्ध था लेकिन शासकीय और अशासकीय कारणों के चलते जैसे–जैसे वन कटते गए– यहाँ का पर्यावरण भी दूषित होता चला गया और भू–जल स्तर भी घट गया। औसत वर्षा से भी अधिक वर्षा होने वाला यह क्षेत्र आज 40 फीसदी वनाच्छादित होने के बाद भी अवर्षा की स्थिति से जूझ रहा है। भू–जल स्तर काफी नीचे पहुँच गया है जिसका प्रभाव खेती–किसानी और यहाँ के निवासियों पर पड़ रहा है।तहसील 07 एवं विकासखण्डों की संख्या 08 है। ये हैं शिवपुरी, करैरा, नरवर, पिछोर, खनियाधाना, कोलारस, बदरवास और पोहरी। जिले में राजस्व निरीक्षक वृत–18, पटवारी हल्के 378, ग्राम न्यायालय 56 और पंचायतें 615 हैं।

अध्ययन का क्षेत्र

विषय चयन और शोध उद्देश्यों का निर्धारण करने के पश्चात् शोध कार्य के क्षेत्र का निर्धारण करना आवश्यक है। अध्ययन का असीमित क्षेत्र तथा विषय की अस्पष्टता एवम् त्रुटिपूर्ण अवधारणाएँ शोधकार्य को अनिश्चित एवम् प्रभावहीन बनाती हैं। असीमित क्षेत्र एक ओर विषय के अध्ययन को असंभव व कष्टकारी बनाता है, दूसरी ओर प्राप्त होने वाले परिणामों एवम् निष्कर्षों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, इसलिए शोधार्थी ने शोधकार्य से पूर्व शोध कार्य का क्षेत्र स्पष्ट और निर्धारित किया है।

शिवपुरी जिले में आठ विकसखण्ड हैं जहाँ महिला एवम् बाल विकास विभाग की योजनाएँ संचालित होती हैं। शिवपुरी जिले के विकासखण्ड इस प्रकार हैं–शिवपुरी, पोहरी, कोलारस, बदरवास, करैरा, नरवर, पिछौर एवं खनियाधाना।

लाड़ली लक्ष्मी योजना

यह योजना सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 1 अप्रैल 2007 से लागू है। इसमें पात्र बालिकाओं के नाम से प्रतिवर्ष 6000 रूपये लगातार पाँच वर्षों तक (कुल रूपए 30000/–) राष्ट्रीय बचत पत्र क्रय किए जाते हैं।

पात्रता

द्वितीय बालिका के लिए 1 जनवरी 2006 के बाद जन्मी बालिका जिसके माता–पिता आयकर दाता न हों तथा माता–पिता द्वारा दो बच्चों पर परिवार नियोजन कराया गया हो एवं जन्म के एक वर्ष में आँगनबाड़ी में पंजीकृत हो या बालिका अनाथ हो एवं अनाथालय में रहती हो।

ऐसी प्रथम बालिकाएँ जिनका जन्म 1 अप्रैल 2008 के उपरांत हुआ हो, जिसके माता–पिता आयकर दाता न हों, जन्म के एक वर्ष में आँगनबाड़ी में पंजीकृत हो। द्वितीय प्रसव के उपरांत परिवार नियोजनों की शर्त यथावत रहेगी। इस योजना में 2009 में आंशिक संशोधन किया गया है–ऐसे माता–पिता जिनकी ट्यून्स बेबी पैदा हुई हैं। उन पर परिवार नियोजन की शर्त में शिथिलता दी गई है। योजना के तहत

1. बेटी के कक्षा 6 में प्रवेश पर रूपए 2,000/–
2. बेटी के कक्षा 9 में प्रवेश पर रूपए 4,000/–
3. बेटी के कक्षा 11 एवम् 12 में पढ़ाई के समय दो वर्ष तक प्रतिमाह 7,500/–
4. बेटी के कक्षा 11 एवम् 12 में पढ़ाई के समय दो वर्ष तक प्रतिमाह 200/–
5. 18 वर्ष की होने पर शेष राशि इस तरह कुल 1,00,000/– से अधिक

विशेष

1. इस योजना से स्त्री शिक्षा न्यूनतम 12वीं कक्षा तक होगी। जिससे साक्षरता प्रतिशत बढ़ेगा।
2. बाल विवाह हतोत्साहित होगा। 18 वर्ष से पूर्व विवाह नहीं हो सकेगा।

तालिका क्रमांक – 1
लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत प्रदत्त राशि का विवरण

क्र.	हितग्राही	हितग्रहण करने का समय	राशि
1.	जन्म उपरांत से 18 वर्ष की बालिकाएँ	जन्म उपरांत	6000/- (प्रथम पाँच वर्ष के लिए NSC के रूप में)
2.		कक्षा 6 में प्रवेश पर	2000/-
3.		कक्षा9 में प्रवेश पर	4000/-
4.		कक्षा 11 में प्रवेश पर	7,500/-
5.		कक्षा 11 एवं पढ़ाई के समय दो वर्ष तक प्रतिमाह18 वर्ष की होने पर शेष	200/-
6.		राशि कुल	1,00,000/- से अधिक

उपरोक्त तालिका क्रमांक 1 से स्पष्ट होता है कि लड़की के जन्म उपरांत प्रथम पाँच वर्ष तक प्रतिवर्ष 6000 रूपये की NSC (राष्ट्रीय बचत पत्र) क्रय कर प्रदान किये जाते हैं। बालिका के कक्षा 6 में प्रवेश लेने पर 2000

P: ISSN NO.: 2394-0344 **Remarking An Analisation**
E: ISSN NO.: 2455-0817 RNI No.UPBIL/2016/67980 Vol-I* Issue-VI*September - 2016

रूपये, कक्षा 9 में प्रवेश लेने पर 4000 रूपये, कक्षा 11 में प्रवेश लेने पर 7,500 रूपये, कक्षा 11 एवम् 12 में पढ़ाई के समय दो वर्ष तक प्रतिमाह 200 रूपये एवम् 18 वर्ष की होने पर 1,00,000 रूपये से अधिक राशि प्रदत्त की जाती है।

तालिका क्रमांक– 2
लाड़ली लक्ष्मी योजना (शिवपुरी शहरी परियोजना) वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर'
1.	2007–08	66	–
2.	2008–09	459	595.45%
3.	2009–10	454	587.87%

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 2 में लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08 में 66, वर्ष 2008–09 में 459 एवं वर्ष 2009–10 में 454 पाई गई वहीं प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है जिसमें वर्ष 2007–08 की हितग्राही संख्या के आधार पर वर्ष 2008–09 में 595.45%एवं वर्ष 2009–10 में 587.87% हितग्राहियों की वृद्धि पाई गई जबकि वर्ष 2008–09 की अपेक्षा वर्ष 2009–10 में हितग्राहियों की कमी पाई गई। अतएव वर्ष 2007–08 की तुलना में आगामी वर्षों में हितग्राही संख्या में कई गुना वृद्धि पाई गई जो योजना की सफलता एवं क्रियान्वयन को दर्शाता है।

तालिका क्रमांक– 3
लाड़ली लक्ष्मी योजना (शिवपुरी ग्रामीण परियोजना) वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर*
1.	2007–08	71	–
2.	2008–09	460	547.88%
3.	2009–10	455	540.84%

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 3 में लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08 में 71, वर्ष 2008–09 में 460 एवं वर्ष 2009–10 में 455 पाई गई। वहीं प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है जिसमें वर्ष 2007–08 की हितग्राही संख्या के आधार पर वर्ष 2008–09 में 547.88%एवं वर्ष 2009–10 में 540.84% हितग्राहियों की वृद्धि पाई गई जबकि वर्ष 2008–09 की अपेक्षा वर्ष 2009–10 में हितग्राहियों की कमी पाई गई। अतएव वर्ष 2007–08 की तुलना में आगामी वर्षों में हितग्राही संख्या में कई गुना वृद्धि पाई गई जो योजना की सफलता एवं क्रियान्वयन को दर्शाता है।

तालिका क्रमांक– 4
लाड़ली लक्ष्मी योजना (पोहरी परियोजना) वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर*
1.	2007–08	64	–
2.	2008–09	546	753.12%
3.	2009–10	479	648.43%

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4 के समंक अनुसार लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08 में 64, वर्ष 2008–09 में 546, वर्ष 2009–10 में 479 पाई गई। हितग्राहियों के प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है जिसे वर्ष 2007–08 की संख्या को आधार मानते हुये गणना करने पर वर्ष 2008–09 में 753.12%, वर्ष 2009–10 में 648.43% हितग्राहियों की वृद्धि पाई गई जबकि वर्ष 2008–09 की अपेक्षा वर्ष 2009–10 में हितग्राहियों की संख्या में कमी पाई गई।

तालिका क्रमांक– 5
लाड़ली लक्ष्मी योजना (कोलारस परियोजना) वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर*
1.	2007–08	91	–
2.	2008–09	518	469.23%
3.	2009–10	471	417.58%

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 5 से स्पष्ट होता है कि लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08 में 91, वर्ष 2008–09 में 518, वर्ष 2009–10 में 471 पाई गई वहीं हितग्राहियों के प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है जिसमें वर्ष 2007–08 की संख्या को आधार मानते हुये गणना करने पर वर्ष 2008–09 में 469.23% एवं वर्ष 2009–10 में 417.58% वृद्धि पाई गई जो वर्ष 2008–09 की अपेक्षा कुछ कम है।

तालिका क्रमांक– 6
लाड़ली लक्ष्मी योजना (नरवर परियोजना) वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर*
1.	2007–08	113	–
2.	2008–09	576	409.73%
3.	2009–10	510	351.32%

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 6 अनुसार लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08

P: ISSN NO.: 2394-0344
Remarking An Analisation
E: ISSN NO.: 2455-0817 RNI No.UPBIL/2016/67980 Vol-I* Issue-VI*September - 2016

में 113, वर्ष 2008–09 में 576, वर्ष 2009–10 में 510 पाई गई। वर्ष 2007–08 की संख्या को आधार मानते हुये हितग्राहियों के प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है जिसके अनुसार वर्ष 2008–09 में 409. 73% एवं वर्ष 2009–10 में 351.32% वृद्धि पाई गई जो वर्ष 2008–09 की अपेक्षा कुछ कम है।

तालिका क्रमांक– 7
लाड़ली लक्ष्मी योजना (बदरवास परियोजना)
वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर*
1.	2007–08	38	–
2.	2008–09	591	1455.26%
3.	2009–10	523	1276.31%

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 7 से ज्ञात होता है कि लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08 में 38, वर्ष 2008–09 में 591 एवं वर्ष 2009–10 में 523 पाई गई। हितग्राहियों के प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है जिसमें वर्ष 2007–08 की संख्या को आधार मानते हुये गणना करने पर वर्ष 2008–09 में 1455.26% एवं वर्ष 2009–10 में 1276.31% वृद्धि पाई गई जो वर्ष 2008–09 की अपेक्षा कुछ कम है।

तालिका क्रमांक–8
लाड़ली लक्ष्मी योजना (करैरा परियोजना)
वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर*
1.	2007–08	112	–
2.	2008–09	577	415.17%
3.	2009–10	699	524.10%

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 8 से स्पष्ट है कि लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08 में 112, वर्ष 2008–09 में 577, वर्ष 2009–10 में 699 पाई गई। वर्ष 2007–08 की संख्या को आधार मानते हुये हितग्राहियों के प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है। वर्ष 2008–09 में 415.17% एवं वर्ष 2009–10 में 524.10% उत्तरोत्तर प्रतिशत वृद्धि हितग्राहियों की संख्या में पाई गई। अतएव उक्त योजना का इस अंचल में सफल क्रियान्वयन सामाजिक परिप्रेक्ष्य में किया जाना प्रतीत होता है।

तालिका क्रमांक–9
लाड़ली लक्ष्मी योजना (पिछोर परियोजना)
वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर*
1.	2007–08	89	–
2.	2008–09	690	675.28 %
3.	2009–10	643	622.47 %

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 9 से स्पष्ट होता है कि लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08 में 89, वर्ष 2008–09 में 690 एवं वर्ष 2009–10 में 643 पाई गई। हितग्राहियों के प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है जिसमें वर्ष 2007–08 की संख्या को आधार मानते हुये गणना करने पर वर्ष 2008–09 में 675.28% एवं वर्ष 2009–10 में 622.47% वृद्धि पाई गई जो वर्ष 2008–09 की अपेक्षा कम है। इस प्रकार वर्ष 2009–10 के हितग्राहियों की कमी के पीछे कई कारक हो सकते हैं जिसमें वित्त का विलंब से प्राप्त होना, प्रशासनिक उदासीनता आदि हो सकता है।

तालिका क्रमांक–10
लाड़ली लक्ष्मी योजना (खनियाधाना परियोजना) वर्षवार हितग्राहियों का विवरण

क्र.	वर्ष	हितग्राहियों की संख्या	% अंतर*
1.	2007–08	124	–
2.	2008–09	506	308.06 %
3.	2009–10	679	447.58 %

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

उपरोक्त तालिका क्रमांक 10 से ज्ञात होता है कि लाड़ली लक्ष्मी योजनान्तर्गत खनियाधाना परियोजना में हितग्राहियों की संख्या वर्ष 2007–08 में 124, वर्ष 2008–09 में 506 एवं वर्ष 2009–10 में 679 पाई गई। वर्ष 2007–08 की संख्या को आधार मानते हुये हितग्राहियों के प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है। वर्ष 2008–09 में 308.06% एवं वर्ष 2009–10 में 447.58% उत्तरोत्तर प्रतिशत वृद्धि हितग्राहियों की पाई गई जो इस अंचल में योजना की सतत् सफलता एवं उद्देश्यों को दर्शाता है।

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking An Analisation
RNI No.UPBIL/2016/67980
Vol-I* Issue-VI*September - 2016

तालिका क्रमांक–11

लाड़ली लक्ष्मी योजना का परियोजनावार हितग्राहियों का समग्र विवरण

(वर्ष 2007–08 से वर्ष 2009–10 तक)

क्र.	परियोजना	हितग्राहियों की वर्षवार संख्या					
		2007–08		2008–09		2009–10	
		संख्या	% अंतर*	संख्या	% अंतर*	संख्या	% अंतर*
1.	शिवपुरी शहरी	66	–	459	595.45	454	587.87
2.	शिवपुरी ग्रामीण	71	–	460	547.88	455	540.84
3.	पोहरी	64	–	546	753.12	479	648.43
4.	कोलारस	91	–	518	469.23	471	417.58
5.	नरवर	113	–	576	409.73	510	351.32
6.	बदरवास	38	–	591	1455.26	523	1276.31
7.	करैरा	112	–	577	415.17	699	524.10
8.	पिछोर	89	–	690	675.28	643	622.47
9.	खनियाधाना	124	–	506	308.06	679	447.58
	योग	768	–	4923	–	4913	–
	% अंतर*	–	–	(541.01%)	–	(539.71%)	–

वर्ष 2007–08 के आधार पर हितग्राहियों का प्रतिशत अंतर।

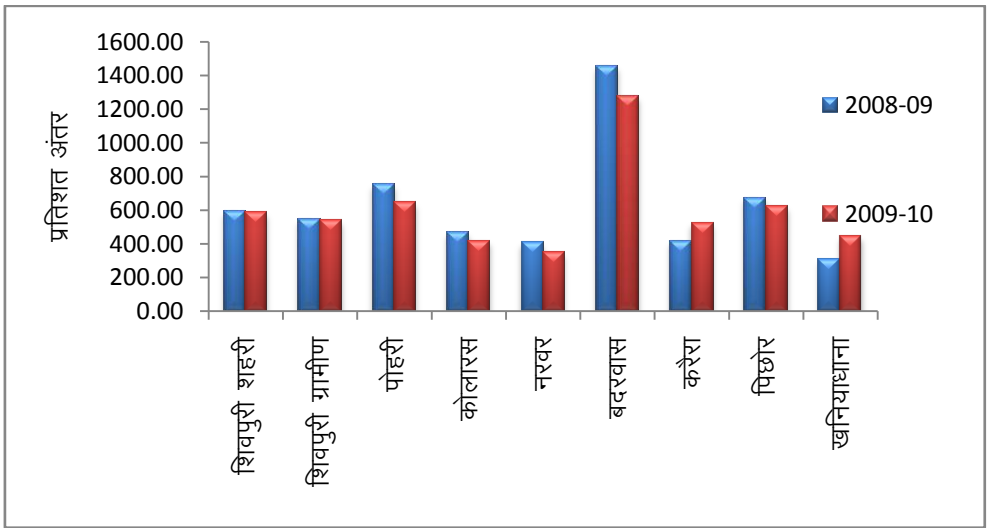

ग्राफ क्रमांक 1 लाड़ली लक्ष्मी योजना के हितग्राहियों की स्थिति

उपरोक्त तालिका क्रमांक 11 में लाड़ली लक्ष्मी योजना के परियोजनावार हितग्राहियों की वर्षवार संख्या को समग्र रूप में दर्शाने का प्रयास किया गया है जिसे पृथक–पृथक प्रत्येक परियोजनावार विवेचन पूर्व पृष्ठों में प्रस्तुत किया गया है। तालिका से स्पष्ट है कि वर्ष 2007–08 में हितग्राहियों की संख्या कुल 768, वर्ष 2008–09 में 4923 एवं वर्ष 2009–10 में 4913 पाई गई। वर्ष 2007–08 की कुल हितग्राही संख्या को आधार मानकर गणना करने पर हितग्राहियों के प्रतिशत अंतर को भी इस तालिका में दर्शाया गया है। वर्ष 2008–09 में 541.01% एवं वर्ष 2009–10 में 539.71% वृद्धि पाई गई साथ ही वर्ष 2007–08 के हितग्राहियों की तुलना में आगामी दोनों वर्षों में हितग्राहियों की संख्यात्मक वृद्धि बहुगुणित है जो योजना के सफल कार्यान्वयन की ओर इंगित करता है।

निष्कर्ष

लाडली लक्ष्मी योजना का मुख्य उद्देश्य देश में लड़कियों की स्थिति में परिवर्तन करना तथा उन्हें एक बेहतर भविष्य देना है। इस योजना के पीछे एक सोच बालिका भ्रूण हत्या को रोकना तथा बालिाि बाल विवाह को रोकना भी है। इस योजना का लाभ 01 जनवरी 2006 के बाद जन्मी बालिकायों को दिया जा रहा है। अतः यह योजना बालिकाओं के उत्तम विकास एवं भविष्य को संवारने में मददगार है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. नाटाणी प्रकाश नारायण : महिला जागृति और कानून, अविष्कार पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स जयपुर, प्रथम संस्करण 2002

2. पाल आर.बी. : महिलाओं में प्रस्थिति में महिला शिक्षित सेवा योजना की भूमिका, निर्मल पब्लिकेशन्स नई दिल्ली, प्रथम संस्करण 2003*
3. शर्मा प्रज्ञा : भारतीय समाज में नारी, पोइन्टर पब्लिशर्स जयपुर, प्रथम संस्करण 2001
4. शर्मा प्रज्ञा : महिला विकास और सशक्तिकरण, अविष्कार पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स जयपुर, प्रथम संस्करण 2001
5. श्रीवास्तव और सुधारानी : भारत में महिलाओं की वैधानिक स्थिति, कॉमनवेल्थ पब्लिशर्स नई दिल्ली, 1999*
6. काहोल ऊषा : महिला विकास और सरकारी प्रयास, शोध समीक्षा मूल्यांकन Vol II सितंबर 2009, पृष्ठ संख्या 88–89
7. फौजदार अंकिता : महिला जागरुकता में मीडिया की भूमिका,शोध समीक्षा और मूल्यांकन Vol II फरवरी 2010, पृष्ठ संख्या 111–112
8. राय संगीता : भारत में लैंगिक असमानता, दशा एवं दिशा, शोध–धारा अंक 4, मार्च 2006, पृष्ठ संख्या 51–56
9. सिंह सुधा : बालिकाओं का घटता अनुपात : एक अध्ययन, रिसर्च लिंक 58 Vol VIIजनवरी 2009, पृष्ठ संख्या 44–45
10. शुक्ल कमलेश कुमार : प्राचीन भारतीय समाज में स्त्रियों की स्थिति एवं उनके प्रति तत्कालीन विद्वानों के दृष्टिकोण : एक अध्ययन , रिसर्च लिंक 34 Vol V(9) दिसम्बर फरवरी 2007, पृष्ठ संख्या 66–67
11. त्रिपाठी रीना : महिला सशक्तिकरण, महिलाओं का दृष्टिकोण, रिसर्च लिंक 45 Vol-VI 2007, पृष्ठ 112–113